>

Title: Need to conduct a high level enquiry into the work related to repair and construction of dams in Bahraich district of Uttar Pradesh and to take action against persons responsible for any kind of mismanagement.

सीमा का एक इलाका है, नेपाल से निकलने वाली सारी नदियां और पानी सीधे बहराइच में प्रवेश करते हैं जिससे वहां हर साल भयंकर बाढ़ आती है जिसके कारण वहां धन, पशु एवं जन हानि होती है। अगर वहां किसी प्रकार का विकास होता है, तो हर साल बाढ़ आने के बाद वह बिल्कुल क्षतिग्रस्त हो जाता है। वहां जलजमाव के कारण तमाम प्रकार की बीमारियां पैदा हो जाती हैं। बाढ़ के कारण तमाम तटबंध टूट जाते हैं। पानी आने के बाद बड़े बांध एवं तटबंध भी तितर-बितर हो जाते हैं। मैं 15 अगस्त, 2011 की घटना का एक प्रकरण आपके सामने प्रस्तुत करना चाहता हूं कि मैंने खुद 62 से 64 किलोमीटर तटबंध का निरीक्षण किया, जिस तटबंध का नाम है - बलहा और बहरौली। वहां का बांध इतना क्षतिग्रस्त है कि उसे जब मैंने देखा तो उत्तर प्रदेश के कार्य करने वाले अधिकारी जो थे, वे न तो उसे टच कर रहे थे और न ही उस पर कोई काम कर रहे थे। मैंने स्वयं सिर पर ईंट-पत्थर उठाए, तो वहां पर पर जो जनमानस इकट्ठा हो रखा था, वे भी मेरे साथ हो लिए और हम सभी ने वहां काम करना शुरू किया। इस कारण वहां बाढ़ का पानी रोका जा सका। मेरा अनुरोध है केन्द्र सरकार से कि 2010-2011 और 2011-2012 से जो पैसा उत्तर प्रदेश सरकार को खासकर बहराइच को भेजा गया है, उसका निरीक्षण कराया जाए, जांच कराई जाए। अगर किसी प्रकार की उसमें त्रुटि मिलती है तो राज्य सरकार को दोषी ठहराया जाए।